□□□□ □□□□□

□□□ □त्र□□□

(□□□□□, □□□ □ प्र□□ि□□ ि□ि□ट□□, □□□□□, सिद्ध एवं होम्यो□□□)

□□□ □□□

अतारांकित प्रश्न सं. 4426

20 □□□, 2020 **को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

□□□ि□□ □□ि□□□□□ □□□ि□□ **परीक्षण**

4426. **श्री** □□. □□. **ि□द्देश**□□:

क्□ □□□□□, □□□ □□ **प्राकृतिक** ि□ि□ट□□, □□□□□, ि□द्ध □□ □□म्□□□□□ (□□□□) □त्री □□ □□□□□□ी □□□ □□□ि□:

(□) क्□ □□□□□ □□□□□□□ी ि□□त्र□ □□□ी प्र□□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□ि□□ी □□ि□□ □□ आयुर्वेदिक □□□□□□□ □□□ि□□ परीक्षणों □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ि□□ □□□ष्□ □□□□ ि□□ □;

(□) □ि□ □□□ ि□□□□ □□□ □□ी □ □□ बीमारियों □□ ब□□□ क्□ □□□□□□□ि□□ □□□□ि□□ि□□ □ी □□ □;

(□) क्□ □□□ि□□ परीक्षणों □□□□□□□ □ □□□□ □□□□□□□□□□□□□□□□□□□ी प्र□□□□ि□□□ □ी □□षे□ □ी □□ □□

(□) □ि□ □□□□ □त□□□□ ब□□□ क्□ □□□□ □ि□ □□□□ □□□□क्□ □□□□ □?

□त□□

□□□ □□ज□ □त्री (स्□तंत्र प्रभार) (श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(□) □□ (□): केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) की स्था□□□ □□□ □त्र□□□ □□ □□□□ □□ स्□□□त□ संगठन के रूप में आयुर्वेद में अनुसंधान करने के लिए की गई है जिसमें नई आयुर्वेदीय औषधियों का विकास और नैदानिक परीक्षण करना भी शामिल है। □□□ □त्र□□□ □□□हिवर्ती □□□□□□ (ईएमआर) की केंद्रीय क्षेत्रक स्कीम लागू की है जिसके अधीन आयुष में अनुसंधान परियोजनाओं और नै□ि□□ अध्ययनों के लिए वैज्ञानिक संस्थाओं को सहायता अनुदान दिया जाता है। इसी प्रकार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के कुछे□ □स□□ी □□ आयुर्वेदीय □□□□□□ ि□□ि□□ ि□□ □□

पिछले तीन वर्षों में जिन बीमारियों के लिए आयुर्वेदीय औषधियां विकसित की गई हैं, □□□□ ि□□□□ ि□म्□□□□□ □□-

i) □□□□□□□□□ : □□□□ □□ि□□ □□□-82 □□ □ि□□□□ □□ि□□ □□□ □□□□

ii) □□□□□□□□ : □□□□-2 □□□□ □□ि□□ □□□□□□□□□□□; □□ □ी □□□ी □□ □न्□ □□ि□□ ि□□□ी □□ि□□ □□□□□-5

iii) ईएमआर परियोजनाएं : स्त□ □□□, मधुमेह रेटिनोपैथी और संभावित मधुमेह पर नैदानिक परीक्षण ि□□ □□□

(□) □□ (□): लाइसस देने अथवा बाजार म बिक्री के लिए विनिमाण हेतु राज्य अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन के लिए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली, 1945 □□ि□□□ 158-□ □□ □□□□ □ज्ञा□□ साहित्य/अथवा □□ि□□ □ध्ययनों से विकसित किए गए प्रभाकारिता के प्रमाण की आवश्य□□□ □□□□ □□ □□ प्र□□□ □ा □□ □ □□□□ा□ औषधियों को पेटट अथवा प्रोपराइटरी औषधियां कहा जाता है।

*****